ऋग्वेद में अन्तरिक्ष स्थानीय देवों का समीक्षात्मक अध्ययन

मीना यादव

ऋग्वेद में देवताओं की उत्पत्ति के विषय में कोई निश्चित उल्लेख नहीं है, किन्तु ब्राह्मण ग्रन्थों में इनकी उत्पत्ति प्रजापति से बताई गई है। ऐतरेय ब्राह्मण का कथन है कि प्रजापति की इच्छा हुई की मैं एक से अनेक हो जाऊँ। उसने तप किया और उसके प्रभाव से पृथिवी, अन्तरिक्ष तथा द्युलोक उत्पन्न हुए। तब उसने इन तीनों लोकों का मनन किया। इस चिन्तन से प्रत्येक का अभिमानी एक–एक देवता–पृथ्वी से अग्नि, अन्तरिक्ष से वायु तथा आकाश से सूर्य उत्पन्न हुए।